कुम्भ मेला– 2021 हरिद्वार
मीडिया सेंटर, कुंभ मेला–2021, चण्डीद्वीप–नीलधारा, हरिद्वार उत्तराखण्ड
दूरभाषः 7055007013 E mail id : kumbhmelaa2021@gmail.com

मीडिया परामर्शिका

कुम्भ मेला–2021 हरिद्वार के पावन पर्व पर पीआईबी भारत सरकार तथा समस्त राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के मान्यता प्राप्त मीडिया प्रतिनिधियों का मीडिया सेंटर, कुम्भ मेला हरिद्वार में हार्दिक स्वागत है। उत्तराखण्ड सरकार के द्वारा कुम्भ मेला हरिद्वार में आने वाले मीडियाकर्मियों की सुविधा व समन्वय के लिए स्थापित इस मीडिया सेन्टर में सभी आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। आगंतुक मीडिया प्रतिनिधियों के पास प्राधिकार–पत्र, परिचय पत्र तथा पहचान सम्बन्धी अन्य वैध प्रपत्र होना जरूरी है। कुम्भ मेला कवरेज हेतु मेला प्राधिकार प्रवेश–पत्र प्राप्त करने के लिए भी पीआईबी अथवा संबंधित राज्य के सूचना निदेशक द्वारा संस्तुति पत्र के माध्यम से आवेदन करना होगा। इस हेतु कुम्भ मेला–2021 की वेबसाइट, पर्यटन विभाग की वेबसाइट तथा सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखंड सरकार की वेबसाईट http://www.uttarainformation.gov.in पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से कुम्म मीडिया 2021 पेज पर दिये गये सम्पर्क सूत्रों तथा मेल आईडी के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र पत्र पर आवेदन किया जा सकता है।

प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संस्थानों के आधिकारिक रूप से मान्यताप्राप्त अथवा गैर मान्यताप्राप्त मीडिया प्रतिनिधियों के लिये पंजीकरण की व्यवस्था है। इसके लिए संस्थान के साथ ही सम्बन्धित राज्य के सूचना निदेशक द्वारा अधिकृत अधिकारी की संस्तुति के साथ ऑनलाइन पंजीकरण टैब में जाकर आवेदन पत्र भरा जा सकता है। मीडिया प्रतिनिधि यह आवेदन आनलाइन माध्यम से नीचे दिये गये अधिकारियों को भेज सकते है। पंजीकरण की प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के उपरान्त आप का संदर्भ–नाम मीडिया सूची में आ जाने पर, निर्धारित स्थल पर अधिकारियों से संपर्क कर मीडिया पास उपलब्ध किये जाने की व्यवस्था बनायी गई है। कोविड–19 के दृष्टिगत इसके लिये जारी एसओपी का पालन किया जाना अनिवार्य होगा।

प्रेस, मीडिया रजिस्ट्रेशन हेतु सम्पर्क–
मेलाधिकारी, कुम्भ मेला 2021, मेला अधिष्ठान हरिद्वार।
नोडल अधिकारी मीडिया, मेला नियंत्रण भवन, हरिद्वार।
उपनिदेशक, प्रेस सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, उत्तराखण्ड देहरादून।

आवश्यक सूचना– कुम्भ मेला प्राधिकार प्रवेश पत्र आवदेन के साथ आधार, फोटो आईडी, पीआईबी मान्यता कार्ड, प्रेस मान्यता कार्ड और विदेशी मीडिया हेतु वैध पासपार्ट एव जे–वीजा की कॉपी संलग्न करना अनिवार्य है।

आवश्यक निर्देश–

- प्राधिकार पत्र के लिए आवेदन कर देना ही प्रवेश पास की स्वीकृत्ति नहीं है, पूर्ण जांच के बाद ही पास जारी किया जायेगा।
- जो मीडिया प्रतिनिधि स्वयं के आवासीय व्यवस्था के आधार पर आ रहे हो उन्हें इनकी भी सूचना देनी होगी।
- मीडिया सेन्टर आवासीय क्षेत्र में मीडिया कर्मियों को अधिकतम तीन दिवसीय अल्पकालीन आवासीय सुविधा प्रदान की जा सकेगी। चेक आउट टाइम दिन में मध्याहन बारह बजे रहेगा।
- कुम्भ मेला के कवरेज़ के दौरान मीडिया प्रतिनिधियों को इससे संम्बन्धित सर्वमान्य नैतिक मूल्यों का ध्यान रखा जाना होगा।
- प्रिन्ट मीडिया तथा इलेक्ट्रानिक मीडिया के लिए डीएवीपी सूचीबद्ध मीडिया का प्रतिनिधि होना जरूरी है।
- सोशल मीडिया के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार की सूची में सूचीबद्ध होना जरूरी है।
- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के प्रेस प्रतिनिधि समस्त औपचारिकतायें पूर्ण करने के बाद आवेदन सूचना अधिकारी, राज्य सूचना केन्द्र, नई दिल्ली के माध्यम से भी प्रेषित कर सकते है।
- राज्य से बाहर के पत्रकारों को आवेदन सम्बन्धित राज्य के सूचना निदेशक अथवा उनके द्वारा नामित अधिकारी के माध्यम से प्रेषित करने होंगे।
- राज्य के राज्य स्तरीय पत्रकारों के आवेदन पत्र उपनिदेशक प्रेस प्रभाग, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, सूचना भवन रिंग रोड देहरादून के माध्यम से प्रेषित किये जायेंगे।
- उत्तराखंड राज्य के जनपदों में कार्यरत प्रेस प्रतिनिधियों के आवेदन संबंधित जिला सूचना अधिकारी के माध्यम से उनकी संस्तुति के साथ प्रेषित किये जायेंगे।
- शासन–प्रशासन द्वारा जारी की गई कोविड एस.ओ.पी. का पालन अनिवार्य होगा।

कुम्भ मेला का एतिहासिक एवं पौराणिक महत्व

हरिद्वार उत्तराखण्ड में आयोजित होने वाला कुम्भ मेला विश्व का विशालतम स्वतः स्फूर्त समागम तथा तीर्थोत्सव है। पौराणिक कथानुसार देवता और दैत्य अलौकिक क्षीर सागर के मंथन में अमृत प्राप्ति के लिए एकत्र हुए तथा निश्चित किया गया कि समुद्र मंथन से निकलने वाले रत्नों, पदार्थों को आपस में बॉट लेंगे। इस मंथन में पौराणिक मंदराचल (पर्वत) को मथनी और नागों के सम्राट वासुकी को मथने वाली रस्सी की तरह प्रयुक्त किया गया। कहा जाता है कि दस हजार वर्षों तक देव दानव के सागर मंथन के फलस्वरुप अन्य रत्नों के साथ ही अमृत से भरा कलश भी प्राप्त हुआ। अमृत पीने के बाद दानव अमर हो जायेगे, तब संसार का क्या होगा। इस चिन्ता से देवताओं ने अमृत–कलश को छिपाने का निर्णय लिया। इसके लिए देवों और दानवों के बीच संघर्ष हुआ, जिसके दौरान देवताओं के राजा इन्द्र का पुत्र जयंत पहले स्वर्ग के आठ स्थानों पर तथा फिर पृथ्वी पर जहा–तहां अमृत कलश को छिपाने के लिए भागता रहा। पुराणों के अनुसार इस संघर्ष से इंद्र के पुत्र जयंत ने अमृत कलश को हरिद्वार, प्रयाग, उज्जैन और नासिक की भूमि पर रखा, जहा अमृत कलश की कुछ बूंदे भूमि पर गिरी और इन स्थानों को निश्चित नक्षत्रीय दशा में सदा–सदा के लिए अमरत्व प्रदान करने वाली दैवीय उर्जा से समृद्ध कर गयी। इन्ही स्थानो पर कुम्भ मेलों का आयोजन किया जाता है। ग्रह नक्षत्रों की विशेष परिस्थितियों की इन कुम्भ पर्वो का निर्धारण करती है इसके कारण लाखों करोड़ों लोगों एक निश्चित समय और स्थन पर एकत्र होते हैं। प्रयाग और हरिद्वार का कुम्भ पर्व गंगा के, तट पर, उज्जैन का क्षिप्रा नदी तट पर तथा नासिक में गोदावरी नदी तट पर कुम्भ पर्व आयोजित होता है। प्रयाग और हरिद्वार में ग्रह योग कुछ ऐसा बनता है कि हर तीसरी वर्ष इन दोनों स्थानों पर कहीं न कहीं कुम्भ अथवा अर्ध कुम्भ का आयोजन होता है।

आम तौर पर माना जाता है कि कुम्भ पर्व स्नान से समस्त पापों से मुक्ति मिल जाती है अर्थात मानव को जीवन मृत्यु के चक्र से मुक्ति, मोक्ष मिल जाता है। यह माना जाता है कि कुम्भ क्षेत्र में गंगा जी का समस्त जल सूर्य, चन्द्र तथा अन्य ग्रहों के विद्युत चुम्बकीय विकीरण के प्रभाव से रोग मुक्ति के साथ ही अनेक प्रकार के चमत्कारी प्रभावों को देने वाला होता है। हरिद्वार में प्रत्येक बारह एवं छः वर्ष के अन्तराल पर होने वाला कुम्भ अथवा अर्ध कुम्भ पर्व संसार के सबसे बड़ा तीर्थ मेला उत्सव है। खगोल गणनाओं के अनुसार जब सूर्य मेष राशि में, बृहस्पति कुम्भ राशि में होते हैं तब हरिद्वार में कुम्भ पर्व होता है।

कुम्भ मेला 2021 की स्नान तिथियॉ –

क्रं.सं.	दिनांक	स्नान
1	12 अप्रैल 2021	चैत्र अमावस्या (शाही स्नान)
2	13 अप्रैल, 2021	नव संवत्सर
3	14 अप्रैल 2021	मेष संक्रान्ति (मुख्य कुम्भ स्नान पर्व)
4	21 अप्रैल, 2021	रामनवमी
5	27 अप्रैल 2021	चैत्र शुक्ल पूर्णिमा (शाही स्नान)

हरिद्वार आवागमन

देश की राजधानी दिल्ली से हरिद्वार लगभग 200 कि.मी. दूर है। देश के हर भाग से यहाँ सड़क मार्ग द्वारा निजी वाहनों, बस, रेल सेवा और घरेलू उड़ानों से आवागमन किया जा सकता है। हवाई मार्ग से आपको पहले हरिद्वार से कुछ दूर स्थित जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट (एअरपोर्ट कोड : DED)आना होगा, जहाँ से सड़क मार्ग से हरिद्वार 20 किमी दूर है। हरिद्वार जंक्शन रेलवे स्टेशन (भारतीय रेलवे स्टेशन कोड : HW) सभी प्रमुख रेलों से जुड़ा है। रेलवे स्टेशन शहर के दक्षिण में, प्रमुख होटलों के बहुत निकट है।

मीडिया सेंटर –

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग उत्तराखण्ड द्वारा कुम्भ मेला क्षेत्र चंडी द्वीप–नीलधारा में मीडिया प्रतिनिधियों के लिए वर्तमान परिवेश की जरूरतों के अनुरूप अत्याधुनिक सुविधायुक्त मीडिया सेन्टर की स्थापना की गई है। मीडिया सेन्टर परिसर में ही अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय तथा स्थानीय पत्रकारों हेतु अस्थायी एवं अल्पकालिक आवासीय सुविधाएं तथा विभिन्न शाकाहरी व्यंजनों की सुविध वाले फूड कोर्ट की भी स्थापना की जा रही है। इसके अलावा मेले का सजीव प्रसारण के साथ ही विभिन्न स्थलों पर कैमरा, आप्टीकल फाईबर, ब्राडबैण्ड कनेक्शन सहित कम्प्यूटर्स स्कैनर्स, फैक्स, फोटो कॉपियर्स, सुविधायुक्त स्टूडियो, आवश्यक कम्प्यूटर साफ्टवेयर तथा आवासीय सुविधाएं मॉग तथा उपलब्धता पर प्रथम आगत, प्रथम स्वागत पर प्राप्त हो सकेगी। मीडिया सेन्टर में किसी भी मीडिया संगठन को किसी भी प्रकार के स्टूडियो की अस्थायी या स्थायी स्थापना अथवा कमिर्शियल विज्ञापनों के छूट की अनुमति या सुविधा नहीं मिलेगी। मीडिया सेन्टर के अलावा विभिन्न महत्वपूर्ण स्थल पर कवरेज हेतु मीडिया प्लेटफार्म, स्थल उपलब्ध रहेंगे। कोविड–19 के बचाव से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाऐं भी मीडिया सेन्टर में रहेगी।

मीडिया सेन्टर तक पहुचने का मार्ग–

देहरादून–दिल्ली हाईवे पर हर की पैड़ी के सामने लालजीवाला से बाएं जाने वाले रास्ते से तथा दिल्ली–देहरादून हाईवे पर रोडीबेलवाला के सामने से आस्थापथ के मध्य से भी मीडिया सेन्टर तक पहुंचा जा सकता है।

पार्किंग –

- मीडिया कमिर्यों के वाहन मीडिया सेन्टर तक आ सकेंगे। परन्तु पार्किंग की व्यवस्था, पार्किंग स्थल पर होगी।
- स्थान की कमी के कारण ओबी वैन की अनुमति नही होगी। अतः सभी से छोटी तथा कॉम्पैक्ट ओबी वैन्स या लाईव व्यू जैसे छोटे सयन्त्र ही साथ लाने का अनुरोध है।
- मुख्य स्नान पर्वों पर किसी भी मीडिया वाहन को सड़क पर रोकने, पार्क करने की अनुमति नहीं होगी। निर्धारित दूरी तक ही मीडिया वाहन जा सकेंगे।

खान–पान एवं प्रवास –

- मीडिया सेन्टर आवासीय क्षेत्र में मीडिया कर्मियों के अधिकतम तीन दिवसीय अल्पकालीन आवासीय सुविधा प्रदान की जा सकेगी। चेक आउट टाइम मध्याह्न बारह बजे रहेगा।
- किसी भी व्यक्तिगत, संस्थागत आवंटी के सामान की सुरक्षा का दायित्व संबंधित व्यक्ति, मीडिया कर्मियों का ही होगा।
- मेला अवधि में मीडिया कर्मियों के आवागमन, प्रवास तथा गतिविधियों के दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटना, रोग तथा जोखिम का उत्तरदायित्व विभाग का नहीं होगा।
- मीडिया सेंटर में फूड कोर्ट के माध्यम से खानपान की व्यवस्था सशुल्क, किन्तु उचित दरों पर उपलब्ध होगी।
- नियमित आवासीय व्यवस्था एवं खान– पान हेतु, स्थानीय होटलों, अतिथि गृहों से सम्पर्क करके आरक्षण कराया जा सकता है। इसके लिए विस्तृत जानकारी पर्यटन विभाग उत्तराखण्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

क्या करें –

- मीडिया सेन्टर अथवा कुम्भ मेला क्षेत्र में मीडिया से सम्बन्धित आचार संहिता का पालन किया जाना आवश्यक है। अतः अनुरोध है कि कुम्भ मेला के कवरेज के दौरान मीडिया के सर्वमान्य नैतिक बातों का विशेष ध्यान रखा जाय। ऐसा हो सकता है कि आपकी किसी चर्चित खबर या फोटो को अन्यत्र बहुत सराहा जाय परन्तु यदि किसी भी विजुअल को डिजिटल पद्धति से सम्पादित करने का प्रयास किया जायेगा तो संभव है कि उक्त घटना या स्थान विशेष का महत्व कम हो जाये या समाप्त हो जाये। आज जबकि सम्पूर्ण दुनिया एक वैश्विक परिवार की तरह है, ऐसे में केवल एक छोटी सी अनदेखी से ही किसी भी समुदाय या देश के हित प्रभावित हो सकते हैं। अतः इस संबंध में कुछ उल्लेखनीय बिन्दु निम्नवत हैं
- मीडिया प्रतिनिधि के रूप में आप मीडिया के लिए उपलब्ध किसी सुविधा का इस्तेमाल भले ही न करना चाहें, परन्तु कुम्भ नगरी हरिद्वार में अपने आगमन पर मीडिया सेन्टर में अपना पंजीकरण अवश्य करायें तथा मेला क्षेत्र में भ्रमण के लिए प्राधिकार–पत्र अवश्य प्राप्त कर लें।
- कृपया मेला प्रशासन द्वारा जनसुविधा की दृष्टि से निर्धारित निर्देशों, नियमों तथा प्रक्रियाओं का पालन अवश्य करें इससे सम्बन्धित विवरण कुम्भ मेला की वेबसाइट पर उपलब्ध है। कृपया पवित्र स्थानों की शुचिता बनाये रखें, जैसे जूते पहन कर एवं चमडे के बैग या कैरी कैश लेकर मंदिरों में न जायें।
- कृपया अन्य मीडिया कर्मियों के साथ मेल–जोल, समन्वय रखें। इससे आपको अनेक अवसरों पर सहायता मिल सकेगी।
- कृपया अपने सामान का ध्यान स्वयं रखे। अनजाने व्यक्ति को अपने सामान की सुरक्षा न सौपें।
- कृपया अपने वाहन के शीशे, दरवाजे, डिक्की के लॉक तथा लाइटों की जाँच करने के बाद उसे पार्क करें।

- ऐसे अनेक अवसरों पर शॉटस लेने अथवा जानकारी प्राप्त करने के मौके आपको कुम्म मेले में मिलेंगे, जो आपके पाठक या दर्शक को चमत्कृत और रोमांचित कर देंगे। कृपया ऐसे अवसरों, गतिविधियों, व्यक्तियों स्थानों तथा घटनाओं के पीछे वास्ताविक धार्मिक एवं प्रतीकात्मक आधार को समझ कर ही उसे प्रस्तुत करें, किसी भी मामले में अपनी पूर्व धारणा को आधार न बनाये, अन्यथा आप अनजाने में ही गभीर विवाद के कारण बन सकते हैं। खासतौर से फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी करते समय स्थानीय रिवाजों तथा निजता के संदर्भों का विशेष ध्यान रखें तथा उनका सम्मान करें।
- कुम्भ के दौरान सुविधाओं के लिए भारी मांग को दृष्टिगत रखते हुए कवरेज दल को छोटा रखा जाना उचित होगा।
- कोविड–19 के सम्बन्ध में जारी दिशा–निर्देशों व व्यवस्थाओं का अनुपालन अवश्य करें।

क्या न करें –

- कुम्भ मेला क्षेत्र हरिद्वार में मदिरापान, अन्य पदार्थों का सेवन तथा मांसाहारी भोजन का उपयोग पूर्णतः निषिद्ध है। देवभूमि की महत्ता को ध्यान में रखते हुए ये सामान आपके द्वारा घर अथवा बाहर से बनवाकर या डिब्बाबंद रूप में भी नहीं लाया जाना चाहिए।
- मेला क्षेत्र में पॉलीथीन का प्रयोग प्रतिबंधित है।
- अजैविक (नॉन डीग्रेडेबल), मिनरल वॉटरों की बोतलों, टिन, डिब्बाबंद भोजन या पेय के खाली टिनों, सिंथेटिक बैग्स जैसे कचरे को इधर–उधर न फेंके। इसके लिए नियत स्थानों पर रखे कूड़ादान का ही प्रयोग करें।
- पवित्र गंगा में डिटरजेंट एवं किसी भी प्रकार के साबुन का प्रयोग करना वर्जित है।
- मेला क्षेत्र में भिखारियों तथा अजनबी व्यक्तियों को रुपये–पैसे, खाने–पीने के सामान का लेन–देन न करें।
- कृपया साधु सन्तों तथा विभिन्न संप्रदायों के विभिन्न जुलुसों, मुद्राओं के चित्र लेते समय मर्यादा व परम्परा का ध्यान रखें तथा सुरक्षात्मक दूरी बनाये रखें।
- प्रतिबन्धित स्थानों, क्षेत्रों में प्रवेश तथा कवरेज का प्रयास न करें।
- अपनी संस्था/विभाग द्वारा निर्गत फोटो परिचय पत्र अपने साथ अवश्य रखें।

मीडिया पंजीकरण फार्म
कुम्भ मेला– 2021 हरिद्वार, उत्तराखण्ड

1. नाम/पद सहित.....
2. मीडिया संस्थान.....
3. पता.....
   .....
4. फोन/फैक्स.....
5. मोबाइल.....
6. ई.मेल.....
7. राज्य.....नगर/जिला.....
8. कुम्भ मेला में ठहरने की तिथि.....से.....तक

फोटो

हस्ताक्षर
संस्थान के प्रमुख के प्रतिहस्ताक्षर
तथा मुहर

9. प्रेस इनफार्मेशन ब्यूरो, भारत सरकार/संबंधित राज्य के निदेशक
   सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग की संस्तुति.....
   .....

हस्ताक्षर तथा मुहर

कृपया संलग्न करें :

1. भारतीय पत्रकारों के मामले में :–
मान्यता प्राप्त होने का प्रमाण, दो नवीनतम फोटो–एक फार्म पर लगायें, फोटो आईडी/आधार कार्ड
2. विदेशी पत्रकारों के मामले में :–
दो फोटो, हैड ऑफ इंडियन मिशन के पत्र की प्रति, पासपोर्ट एवं जे–वीजा की प्रति, पी.आई.बी. की संस्तुति।

आवेदन भेजने अथवा संपर्क हेतु : E mail id : *kumbhmelaa2021@gmail.com*

नोट : नीलधारा चंड़ीद्धीप हरिद्वार में मीडिया सेंटर का संचालन एक अप्रैल 2021 से किया जाएगा। प्रेस पास के आवेदन पत्र की सम्पूर्ण जांच करने के बाद मीडिया सेंटर संचालन के साथ ही प्रेस पास का वितरण किया जाएगा।